International Research Journal Related to Higher Education For all Subjects

SHODH, SAMIKSHA AUR MULYANKAN

ISSN 0974-2832
RNI RAJBIL 2009/29954

EDITORIAL BOARD

Vol. II Issue : 13
Feb—2010

Editor
Dr. Krishan Bir Singh

Editor's Office
A—215, Moti Nagar,
Street No. 7, Queens Road
Jaipur-302021, India

Contact-0141-2359838
09413970222
E-mail : dr.kbsingh@yahoo.Com
professor.kbsingh@gmail.com

Management By
Smt. Usha Singh

Computer Setting
Ankita Computer's, Jaipur
Mob. 9828073380

इस शोध पत्रिका के प्रकाशन, सम्पादन एवं मुद्रण में पूर्णत: सावधानी बरती गई है। किसी भी प्रकार की त्रुटि महज मानवीय भूल मानी जाये। त्रुटी हेतु सम्पादक, मुद्रक जिम्मेदार नहीं होगा।

Prof. A. Achuthan
Calicut University, Calicut

Prof. Harmahender Singh Bedi, D. Litt
Guru Nanak Dev University, Amritsar (Panjab)

Prof. Engell, James
Harvard University [USA]

Prof. T.R. Bhatt
Karnatak University, Dharwad [Karnatak]

Prof. Sant Ram Vishya
Gurukaul Kangdi University, Haridwar [Uttranchal]

Dr. Harish Chandra Rathore
Banaras Hindu University, Banaras [UP]

Prof. Purtle Jenny
University of Toronto [CANADA]

Dr. Abhijeet Bhaumik
Principal Govt. L.B.S. Collage, Balloda [Chhattisgarh]

Dr. Shiv Chaurasiya
Ex. Lect. Ujjain [M.P.]

Prof. Richard Clay
University of Birmingham [UK]

Dr. Suresh J. Phule
Reader, Rajshri Sahu College, Lature [M.S.]

शोध पत्रों का चयन एवं प्रकाशन विषय विशेषज्ञों की अनुशंसा के पश्चात् किया जाता है।

1. शोध पत्रिका का सम्पादन पूर्णत: अवैतनिक है
2. इस शोध पत्रिका में प्रकाशित शोध पत्रों में व्यक्त विचार, भाषा, दृष्टिकोण, चिन्तन एवं उदाहरण आदि शोध पत्र लेखक के हैं। सम्पादक एवं सम्पादकीय मण्डल या शोध पत्रिका का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रत्येक शोध पत्र की सम्पूर्ण सामग्री का दायित्व शोधपत्र लेखक का है। शोधपत्र की सामग्री सम्बन्धी समस्त विवादों का एकमात्र दायित्व संबंधित शोधपत्र लेखक का होगा।
3. प्रत्येक शोधपत्र लेखक के लिए सदस्यता फार्म एवं कापीराईट फार्म का भरना अनिवार्य है, दोनों फार्म वेबसाईट www.ssmrae.com से डाउनलोड करके भरें एवं शोध पत्र के साथ भेजें।
4. देश-विदेश का कोई भी विश्वविद्यालय या शोध कमेटी किसी भी कारण इस पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र को अस्वीकृत कर देती है तो इसका दायित्व इस शोध पत्रिका के सम्पादक, प्रकाशक या प्रबन्धन का नहीं होगा।
5. शोध पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र का किसी भी रूप में पुन: उपयोग करने से पूर्व सम्पादक से लिखित सहमति लेना अनिवार्य है अन्यथा कापीराईट सम्बन्धी नियम का उल्लंघन माना जायेगा।
6. इस शोध पत्रिका से सम्बन्धित समस्त विवाद जयपुर शहर न्यायालय के अधीन **होंगे** ।
7. शोध पत्रिका सामान्य डाक से भेजी जायेगी। प्राप्त न होने की स्थिति में सम्पादक, प्रकाशक की जिम्मेदारी नहीं होगी। रजिस्टर्ड डाक का खर्चा शोधपत्र लेखक को देना होगा। दूसरी प्रति भेजना संभव नहीं होगा।